आतिश मार्केट में 6 मन्दिरों की प्राण प्रतिष्ठा के लिए हवन पूजा प्रारम्भ

प्राण प्रतिष्ठा शुक्रवार को

जयपुर, 11 जून। जयपुर मेट्रो, जिला प्रशासन एवं देवस्थान विभाग के सौजन्य से शहर के पुराना आतिश मार्केट परिसर में गुरूवार को छोटी चौपड़ स्थित प्याऊ वाले हनुमान जी, कंवल साहब हनुमान जी, बारह लिंग महादेव जी, रामेश्वर महादेव सफेद मार्बल कष्ट हरण महादेव जी एवं रोजगारेशवर महादेव मंदिर की मूर्तियों को नये मंदिरो में पूरे धार्मिक रिति रिवाज, विधि–विधान एवं मंत्रोंच्चार के साथ स्थापित किया जाकर प्राण प्रतिष्ठा के लिए हवन पूजा प्रारंभ कर दी गई है। इन मदिरों की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा शुक्रवार को प्रातः शुभ मुहुर्त में विधि–विधान एवं धार्मिक रिति रिवाज से की जायेगी।

पूर्व में छोटी चौपड़ स्थित चार मंदिरों प्याऊ वाले हनुमान जी, कंवल साहब हनुमान जी, बारह लिंग महादेव जी, रामेश्वर महादेव सफेद मार्बल की मूर्तियां त्रिपोलिया बाजार स्थित तंवर जी का नौहरा में अस्थाई रूप दर्शनार्थ स्थापित की गई थी जिन्हें आज पूरे विधि विधान से नये मंदिरों में स्थापित कर हवन पूजा प्रारम्भ की गई है। इसी प्रकार गुरूवार को छोटी चौपड़ स्थित रोजगारेशवर महादेव मंदिर एवं कष्ट हरण महादेव मंदिर की मूर्तियों को भी यहां से आतिश मार्केट स्थित मंदिरों में पूरे धार्मिक रिति रिवाज, विधि–विधान एवं मंत्रों उचार के साथ स्थापित किया जाकर प्राण प्रतिष्ठा के लिए हवन पूजा प्रारंभ कर दी गई है।

इन मंदिरों की मूर्तियों की स्थापना एवं हवन पूजा लगभग 51 पंडितों द्वारा कराई गई। मंदिरों की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा शुक्रवार को प्रातः शुभ मुहुर्त में विधि–विधान से की जायेगी। मेट्रो के तकनीकी कार्मिकों ने मशीनों द्वारा डिसमेंन्टलिंग विशेषज्ञ लोकण्डा ग्रुप की सहायता से रोजगारेशवर महादेव मंदिर के शीर्ष कलश सहित अन्य कलश को सुरक्षित उतार कर संरक्षित किया गया।

जयपुर मेट्रो के कार्यकारी निदेशक श्री रमेश चन्द शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम श्री राजीव जैन, शहर दक्षिण श्री मुकुल शर्मा, उत्तर पारस चन्द जैन, उपखण्ड अधिकारी जयपुर आशीष कुमार, शहर उत्तर श्रीमती सीमा शर्मा, नगर निगम के हवामहल पश्चिम के जोन आयुक्त श्री सुनील पूनिया, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त श्री रांमानन्द शर्मा, जयपुर मेट्रो के महाप्रबन्धक (परियोजना समन्वय) अखिलेश सक्सेना सहित पुलिस अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।